"सत्यमेव जयते"

ब्रह्मर्षि पत्री जी का नव वर्ष का संदेश

सभी पिरामिड मास्टर्स भगवान हैं । नव वर्ष में प्रत्येक मास्टर का प्रमुख उद्देश्य है " सत्य " को चहुँ ओर फैलाना । जो जीव सत्य की खोज में हैं उन्हें जागरूक करना कि.... " वे भगवान हैं "

आत्मजागृति के लिए " स्वाध्याय " को बढ़ावा देना भूमंडल को ऊर्जा देने के लिए " पिरामिड ऊर्जा " का महत्व समझाना ।

हम अपनी वास्तविकता का सृजन स्वयं करते हैं, अपने विचारों, शब्दों तथा कर्मों द्वारा इस सत्य को पूर्ण जागरूकता से जानना और जीना ।

सज्जन सांगत्य द्वारा दिशा निर्देश लेना ।

सत्य मार्ग का आचरण करने से ये चार आत्म सत्य लोगों में फैल जाएगा ।

भविष्य में कोई धर्म नहीं होगा,

भविष्य में केवल दो धर्म होंगे

'शाकाहार धर्म' -जिसका पालन धर्म युक्त सुर करेंगे ।

'मांसाहार धर्म' -जिसका पालन अधर्म युक्त असुर करेंगे । इतिहास साक्षी है कि सत्य की सदा जीत हुई है । इतिहास साक्षी है कि सफलता सदा धर्म को मिली है । शाकाहार जगत से ही भूमंडल का भविष्य उज्ज्वल होगा... हो रहा है ।

सत्य की जय-जय हो । शाकाहार की जय-जय हो । धर्म की जय हो ।